भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2759
05 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: उन्नत कृषि तकनीकों के बारे में किसानों को प्रशिक्षण
2759. श्री बंटी विवेक साहूः
क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या मध्य प्रदेश का छिंदवाड़ा-पांढुरना क्षेत्र एक कृषि क्षेत्र है, जिसमें मक्का, गन्ना, चना, संतरा, स्ट्रॉबेरी, प्याज, लहसुन, कोदो, कुटकी आदि विभिन्न प्रकार की फसलों का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाता है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या उक्त जिले में किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कोई उन्नत प्रशिक्षण या सूचना संस्थान है; और
(ग) क्या सरकार उक्त क्षेत्र में किसानों को उन्नत तकनीक और प्रशिक्षण सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) का एक क्षेत्रीय कार्यालय खोलने की योजना बना रही है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (ग): मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा और पांढुरना जिलों में उगाई जाने वाली प्रमुख कृषि फसलें मक्का, गेहूँ, चावल, छोटा बाजरा, चना, तूअर, सोयाबीन, रेपसीड एवं सरसों, मूंगफली, गन्ना और कपास हैं। छिंदवाड़ा और पांढुरना जिलों में वर्ष 2023-24 के दौरान, इन फसलों के क्षेत्रफल और उत्पादन का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा और पांढुरना जिलों में दो कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) स्थापित किए हैं ताकि राज्य सरकारों के विस्तार अधिकारियों और किसानों के बीच प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, प्रदर्शन और क्षमता विकास के माध्यम से उन्नत कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जा सके। केवीके अपनी गतिविधियों के तहत किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण देते हैं और किसानों में इन तकनीकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विस्तार गतिविधियों का आयोजन करते हैं।

इसके अलावा, मंत्रालय, मध्य प्रदेश सहित 28 राज्यों और 2 संघ राज्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) को लागू कर रहा है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र विस्तार, विभिन्न फसल पद्धतियों को अपनाकर और स्थायी रूप से उत्पादकता में वृद्धि करके चावल, गेहूँ, दालें, मोटे अनाज (मक्का और जौ), वाणिज्यिक फसलों (कपास, जूट और गन्ना) और पोषक अनाज (श्रीअन्न) का उत्पादन बढ़ाना है। इसके अलावा, केन्द्रीय प्रायोजित राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एनएचएम) योजना, राज्य के सभी जिलों में लागू की जा रही है और जिन फसलों पर ध्यान केंद्रित किया गया है उनमें आम, संतरा, आंवला, अमरूद, बेर, शरीफा, केला, लहसुन, धनिया, मिर्च और फूल शामिल हैं।

अनुबंध

लोकसभा में दिनांक 05.08.2025 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 2759 के भाग (क) के उत्तर के संबंध में उल्लिखित विवरण।

वर्ष 2023-24 के लिए छिंदवाड़ा और पांढुरना जिले में उगाई जाने वाली प्रमुख कृषि फसलों का क्षेत्रफल और उत्पादन

स्रोत: कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

फसलें	उत्पादन (हजार टन में)	क्षेत्रफल (हजार हेक्टेयर में)
मक्का	1149.40	352.78
गेहूँ	764.78	257.50
गन्ना	319.87	3.95
कपास	172.57	56.12
चना	91.13	55.19
चावल	51.36	27.91
तूअर	17.13	16.80
सोयाबीन	17.12	14.99
रेपसीड और सरसों	16.81	12.73
मूंगफली	13.97	5.52
छोटा बाजरा	10.23	10.13

कपास का उत्पादन हजार गांठों में (प्रत्येक गांठ 170 किलोग्राम)

****